www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 26 || लखनऊ
रविवार
26 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

# दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

**मौसम**
सूर्योदयः 05:32
सूर्यास्तः 06:36
अधिकतमः 43°00
न्यूनतमः 28°00

>> पेज 03

विशेष समाचार | क्या आप सांसदों की बगावत... >> पेज 02 | ए.के. शर्मा ने वाराणसी में 24×7 ... >> पेज 04 | ड्रग केस में सेलिब्रिटीज के खिलाफ...

### स्मार्ट मीटर से जनता परेशान, 29 अप्रैल को गाजीपुर दौरे का ऐलान, सपा सरकार बनने पर एमएसपी

# भाजपा की गलत नीतियों से किसान परेशान : अखिलेश

*अखिलेश यादव ने बताया कि वे गाजियाबाद में एआई और डिजिटल इकोनॉमी पर चर्चा के लिए जाने वाले थे, लेकिन किसी कारणवश पहुंच नहीं सके। ऐसे में उन्होंने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर हिस्से-गाजियाबाद से गाजीपुर तक-किसान परेशान हैं। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था।*

**विरोध**

अरमान

लखनऊ/गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि गलत नीतियों के कारण किसान आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि किसानों की आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई, जबकि कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। गाजियाबाद में आयोजित 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किसानों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने 29 अप्रैल को गाजीपुर दौरे का भी ऐलान किया। अखिलेश यादव ने अमेरिका के साथ कृषि समझौतों को लेकर भी चिंता जताई।

## गन्ना किसानों को 'सेम डे पेमेंट' का वादा

सपा अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय बिजली उत्पादन बढ़ाया गया था और किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती थी। उन्होंने 'स्मार्ट गांव' योजना का भी जिक्र किया, जिसे पूर्व राष्ट्रपति A. P. J. Abdul Kalam की सोच से प्रेरित बताया।

**उन्होंने वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनती है तो:**

- 23 फसलों पर MSP लागू किया जाएगा
- गन्ना किसानों को पर्ची कटते ही भुगतान मिलेगा
- किसानों के लिए रिवॉल्विंग फंड बनाया जाएगा
- लोन माफी पर काम किया जाएगा

## मेयर की टिप्पणी पर नाराजगी, बीच में छोड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेयर की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर अखिलेश यादव नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन परिवार और मां के सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता।

आम आदमी पार्टी के नेताओं के भाजपा में शामिल होने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति में दल बदल चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समाजवादी पार्टी और Aam Aadmi Party एक टीम की तरह काम कर रहे हैं।

## भाजपा पर तीखे हमले, एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा को "गिद्ध पार्टी" बताते हुए आरोप लगाया कि वह हर मुद्दे को जातीय और राजनीतिक रंग देती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने गाजीपुर की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई और केवल सपा कार्यकर्ताओं पर ही कार्रवाई की गई।

## स्मार्ट मीटर और महंगाई पर सरकार घिरी

अखिलेश यादव ने स्मार्ट मीटर को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस योजना से आम लोग परेशान हैं और कई जगहों पर महिलाएं मीटर तक हटाकर फेंक रही हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब शहरों को स्मार्ट बनाया जा सकता है तो गांवों को क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि उनकी सरकार गांवों को भी स्मार्ट बनाने की दिशा में काम कर रही थी। इस मुद्दे पर वे इतने भावुक हो गए कि अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर वहां से चले गए।

*"अखिलेश ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2019 में किसानों की औसत आय 8-10 हजार रुपये थी, जो अब मामूली बढ़कर 11-12 हजार रुपये तक पहुंची है, जबकि महंगाई और लागत कई गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में हर साल बड़ी संख्या में किसान और मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब शहरों को स्मार्ट बनाया जा सकता है तो गांवों को क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि उनकी सरकार गांवों को भी स्मार्ट बनाने की दिशा में काम कर रही थी।"*

## महिलाओं की सुरक्षा और गंगा सफाई पर सवाल

*अखिलेश यादव ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। गंगा सफाई अभियान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि "गंगा साफ नहीं हुई, बल्कि गंगा का बजट साफ हो गया।" साथ ही नहरों और सिंचाई व्यवस्था की अनदेखी का भी आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी के नेताओं के भाजपा में शामिल होने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति में दल बदल चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समाजवादी पार्टी और Aam Aadmi Party एक टीम की तरह काम कर रहे हैं।*

## एअर इंडिया फ्लाइट में घंटों बिना एसी के बैठे यात्री

इंदौर। दिल्ली से इंदौर आने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट AI-2515 को तकनीकी खराबी के चलते रनवे से वापस टर्मिनल पर लाना पड़ा। रनवे पर खड़ी फ्लाइट के अंदर एयर कंडीशनिंग (AC) बंद कर दी गई। भीषण गर्मी और बंद केबिन में घंटों फंसे रहने से यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों ने रिफंड की मांग को लेकर नारेबाजी की। यह फ्लाइट रोजाना दोपहर 12:10 बजे दिल्ली से उड़ान भरती है और 1:45 बजे इंदौर पहुंचती है, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण इसमें देरी हुई। पहले इसके शाम 5 बजे तक इंदौर पहुंचने की संभावना जताई गई थी, लेकिन करीब 3 घंटे की देरी के बाद यह शाम 5:15 बजे दोबारा रवाना हुई, जो अब लगभग 6:30 बजे इंदौर पहुंचेगी। हालांकि पहले एक यात्री ने कहा था- एअर इंडिया ने फ्लाइट रद्द कर दिया है। घटनाक्रम की शुरुआत दिल्ली एयरपोर्ट पर गेट बदलने से हुई। बोर्डिंग से पहले दो बार गेट बदला गया, जिससे अफरा-तफरी रही।

# खेल विश्वविद्यालय का काम अंतिम चरण में

### 22 ओलंपिक खेलों की मिलेगी वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी को खेलों की दुनिया में नई पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट अब हकीकत बनने के करीब है। मेरठ के सरधना में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। लगभग 91 एकड़ जमीन पर बन रहे इस विश्वविद्यालय का 85 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि 31 मई तक हर हाल में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए, ताकि खिलाड़ियों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। यह विश्वविद्यालय करीब 369 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। इसे आधुनिक सुविधाओं

के मामले में दुनिया के बेहतरीन खेल संस्थानों की तर्ज पर बनाया जा रहा है। मेरठ का इलाका दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के करीब होने की वजह से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि आसपास के राज्यों के खिलाड़ियों को भी यहां ट्रेनिंग लेने में आसानी होगी। फिलहाल भवन निर्माण का काम लगभग खत्म हो चुका है।

>> (शेष पेज 04 पर)

# आप छोड़ते ही राघव चड्ढा के 14 लाख इंस्टाग्राम-फॉलोअर्स घटे

### संजय सिंह बोले- 7 राज्यसभा सांसदों को अयोग्य ठहराने के लिए सभापति को चिट्ठी लिखेंगे

**विरोध**

तमसा संकेत, एजेंसी

**सांसद संजय सिंह ने कहा कि दलबदल विरोधी कानून के तहत राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार के विभाजन या गुटबाजी को मान्यता नहीं दी जाती, चाहे वह दो-तिहाई बहुमत के साथ ही क्यों न हो।**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़कर भाजपा जॉइन करने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के इंस्टाग्राम पर करीब 14 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 24 घंटे पहले उनके फॉलोअर 14.6 मिलियन थे। शनिवार शाम तक यह 13.2 मिलियन बचे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह युवा यूजर्स की प्रतिक्रिया हो सकती है। AAP के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार

को BJP जॉइन कर ली थी। राघव चड्ढा ने कहा था कि हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं। इधर, AAP नेता संजय सिंह ने बताया कि पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसदों को अयोग्य ठहराने के लिए राज्यसभा के सभापति को लेटर लिखेंगे। AAP का आरोप है कि इन सांसदों का कदम असंवैधानिक है और उन्हें अयोग्य घोषित करना चाहिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

**फास्ट न्यूज**

### मणिपुर में प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े

इंफाल। मणिपुर में स्थायी शांति की मांग कर रहे हजारों लोगों की शनिवार को पुलिस से झड़प हो गई। ये सभी CM आवास की ओर मार्च करने निकले थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के लगाए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे।

### परफ्यूम की बोतल के कारण भड़की आग, 4 जिंदा जले

नीमराना। राजस्थान के नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़) में अवैध कबाड़ गोदाम में आग लगने से 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें दो नाबालिग भी हैं। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से झुलसी है। दो लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। दावा किया जा रहा है कि हादसा परफ्यूम की बोतल से निकले केमिकल में आग लगने से हुआ। गोदाम में रखे केमिकल ड्रमों में भी ब्लास्ट हुए। घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है। पुलिस के अनुसार गोदाम कृषि भूमि पर बना हुआ है। जिसे कबाड़ का काम करने वाले करण सिंह पुत्र मामन सिंह कोलीला ने किराये पर ले रखा था।

### हर्षानंद का संतों को चैलेंज- फॉरेन फंडिंग साबित करें

भोपाल। उज्जैन में संन्यास विवाद के बीच स्वामी हर्षानंद गिरि (पूर्व में हर्षा रिछारिया) ने नया वीडियो जारी कर संतों के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने फॉरेन फंडिंग के आरोपों को खारिज किया। कहा कि एक भी आरोप सही साबित हुआ तो वह अपनी पूरी संपत्ति अर्पित कर देंगी। वहीं आरोप गलत साबित होने पर संबंधित पक्ष से 1 करोड़ मानहानि की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी बैंक डिटेल्स सार्वजनिक करने को तैयार हैं।

## दिल्ली में पारा 43 डिग्री सेल्सियस, हॉस्पिटल में बनी हीटस्ट्रोक यूनिट

### यूपी के वाराणसी में ट्रैफिक सिग्नल पर लगाई ग्रीन नेट

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/शिमला। देश के कई हिस्सों में लू का असर तेज होता जा रहा है। तीन चौथाई हिस्सा हीटवेव की चपेट में हैं। उत्तर-पश्चिम, उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत के 5 राज्यों के 14 शहरों में पारा 44°C के पार जा चुका है। इनमें वाराणसी, बांदा, रोहतक, झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, अकोला, अमरावती, वर्धा, चंद्रपुर, यवतमाल, बाड़मेर, हमीरपुर, आगरा और राजनांदगांव शामिल हैं। इधर, दिल्ली में शनिवार दोपहर को पारा 42.8°C तक पहुंच गया। यह इस साल का सबसे गर्म दिन रहा। जिसके चलते राममनोहर लोहिया हॉस्पिटल में 'हीटस्ट्रोक यूनिट' बनाई गई है। इसमें कूलिंग टब, 200kg बर्फ बनाने की मशीनें और पोर्टेबल आइस पैक भी रखे

गए हैं। उत्तर प्रदेश के 60 जिलों में लू का रेड अलर्ट है। ओडिशा के झारसुगुड़ा में लगातार दूसरे दिन तापमान 44.8°C रहा। मध्य प्रदेश के 11 जिलों में लू का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश के 3 जिलों में हीटवेव चल रही है। इससे पहले शुक्रवार को देश का सबसे गर्म शहर उत्तर प्रदेश का प्रयागराज रहा। यहां तापमान 45.2°C दर्ज किया गया। वहीं महाराष्ट्र के अकोला में पारा 45°C, अमरावती में 44.8°C रहा।

### हिमंता ने कहा- बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे, ईसी ने 5 अफसर सस्पेंड किए, शाह का रोड शो

# ममता बीजेपी का रास्ता खोल रहीं : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली में रैली की। उन्होंने कहा- मेरे ऊपर 36 केस हैं क्योंकि मैं BJP से लड़ता रहता हूं। ED ने मेरे से 55 घंटे पूछताछ की। मेरा घर ले लिया गया था। लेकिन ममता जी के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। क्योंकि जो ममता बंगाल में कर रही हैं, मोदी जी देश में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, पर उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कंट्रोल करते हैं। मोदी ने अमेरिका को हमारे देश का कृषि सेक्टर बेच दिया। आप जानते हो कि देश में जहां भी नरेंद्र मोदी जाते हैं, वो सिर्फ नफरत फैलाते हैं। कुछ साल पहले कांग्रेस ने देशभर में भारत जोड़ो यात्रा की। कांग्रेस के दौर में बंगाल में

उद्योग थे। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि इस बार हम असम में सेंचुरी और बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे। मैं भरोसे से कह सकता हूं कि बंगाल में पहले चरण में ही भाजपा 110 सीटें जीत चुकी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आने वालों के कारण अगले दो दशकों में असम और बंगाल में हिंदू अपना बहुमत का दर्जा खो देंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

### राहुल ने कहा- मोदी ट्रम्प को सर बुलाते हैं

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने कहा- आज देश के प्रधानमंत्री 2 मिनट में अमेरिका के सामने हाथ जोड़ देते हैं। वे जब ट्रम्प से बात करते हैं तो उन्हें सर बुलाते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि ट्रम्प को पता चल गया कि मोदी भ्रष्टाचारी हैं। उन्होंने अडाणी के साथ मिलकर भ्रष्टाचार किया है। अडाणी की कंपनी का असली नाम मोदानी है।

### राहुल बोले- मोदी ने देश का डाटा ट्रम्प को दे दिया

राहुल गांधी ने कोलकाता में जनसभा के दौरान कहा कि- बंगाल पहले इंडस्ट्रियल सेंटर था। लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने ट्रम्प से वादा किया कि भारत अमेरिका से 9 लाख करोड़ का माल खरीदेगा। उन्होंने आगे कहा कि आज देश की सबसे बड़ी पूंजी देश का डाटा है। लेकिन मोदी जी ने आज देश की सबसे बड़ी पूंजी अमेरिका को दे दी।

### बंगाल चुनाव के 4 बड़े अपडेट्स

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आज तीन रैलियां है। वे पहले हुगली के में रैली करेंगे। इसके बाद 4.45 बजे कोलकाता और 5.45 बजे दक्षिण 24 परगना में सभा को संबोधित करेंगे।
- TMC के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- पहले फेज के बाद भाजपा के खेमे में घबराहट है। वे पत्रकारों को फोन कर यह नैरेटिव चलवाने की कोशिश कर रहे हैं कि भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है।
- चुनाव आयोग ने बंगाल चुनाव के पहले फेज में लापरवाही करने वाले 5 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है।
- चुनाव आयोग ने कहा है कि बंगाल में किसी भी बूथ पर दोबारा मतदान की जरूरत नहीं पड़ी। सभी 44,376 पोलिंग स्टेशनों पर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हुआ।

**"पश्चिम बंगाल के साउथ 24-परगना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि इखढ वाले वोटचोरी करते हैं। वोट चोरी की वजह से बिहार में चुनाव जीत पाए।"**

### मुलाकात : विदेश मंत्री अराघची पाक पीएम शहबाज से मिले, अमेरिका बोला- समझौता करने की जल्दबाजी नहीं

# अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं करेगा ईरान

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि ईरान अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही अमेरिका तक पहुंचाएगा। वहीं विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आज इस्लामाबाद में PAK प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। वे शुक्रवार रात पाकिस्तान पहुंचे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान को ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंप दी हैं। बैठक में डिप्टी पीएम इशाक डार और आर्मी चीफ आसिम मुनीर भी मौजूद रहे। दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा कि अमेरिका किसी डील के लिए बेचैन नहीं है। राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की ओर से एक प्रस्ताव आया है, लेकिन वे अच्छे समझौते का इंतजार करेंगे और जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेंगे। व्हाइट हाउस का कहना है कि अमेरिकी डेलिगेशन पाकिस्तान में ईरान के साथ सीधे शांति वार्ता करेगा। इसके लिए ट्रम्प ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजा है। हालांकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस दौर में शामिल नहीं हैं और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया है।

### होर्मुज स्ट्रेट से माइंस हटाने के मिशन में शामिल होगा जर्मनी

जर्मनी होर्मुज स्ट्रेट से माइंस हटाने के अंतरराष्ट्रीय मिशन में शामिल होगा। जर्मन रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नौसेना का माइंसवीपर जहाज 'फुल्डा' जल्द ही मेडिटेरेनियन सागर में तैनात किया जाएगा। हालांकि, इस क्षेत्र में तैनाती तभी होगी जब ईरान-अमेरिका के बीच चल रहा युद्ध पूरी तरह खत्म हो जाएगा और जर्मन संसद से मंजूरी मिल जाएगी। जहाज पर करीब 45 लोगों की टीम तैनात रहेगी। जर्मनी इस मिशन के जरिए उस अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनेगा।

### पहले दौर की बातचीत फेल हुई थी

पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।

**ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच इस्लामाबाद में हुई बैठक खत्म हो गई है।**

# भाजपा ने केजरीवाल के नए आवास की तस्वीरें जारी कीं

### कहा- आलीशान जीवन जी रहे, उनके मन में शीशमहल

**आरोप**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के 95 लोधी एस्टेट के आवास की तस्वीरें जारी कीं। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि उनके मन में अभी भी 'शीशमहल' रहता है। उन्होंने अपने सरकारी आवास को आलीशान बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। अरविंद 24 अप्रैल को नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए थे। वर्मा ने कहा, 'केजरीवाल लंबे समय से सरकारी बंगले के लिए अदालत जा रहे थे। अब उन्हें 95 लोधी एस्टेट में आवास मिला है। तस्वीरें देखकर हैरानी हुई। जो सादगी की बात करते थे, वे आज लग्जरी में रह रहे हैं।' AAP नेता

आतिशी ने सभी फोटो को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा- ये फोटोज केजरीवाल के घर के नहीं हैं। अगर यह जानना है कि किसका घर कितना आलीशान है, तो रेखा गुप्ता और एलजी साहब अपने-अपने घर खोलें। केजरीवाल जी भी अपना घर खोलेंगे। इसके बाद जनता खुद तय कर लेगी। प्रवेश वर्मा ने कहा, 'दिल्ली के 'रहमान डकैत', जिस तरह फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल आया है, उसी तरह आज हम 'शीश महल 2' का खुलासा करने जा रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

# सम्पादकीय

## महिला आरक्षण पर सरकार का खेल

सत्यमेव जयते, यह भारत का ध्येय वाक्य है। भारतीयों का यही यकीन है कि सच की ही जीत होती है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार बार-बार हमारे इस यकीन की परीक्षा ले रही है। देश में अब एक बार फिर सच को नकारने की कोशिश और झूठ को बढ़ावा देने की राजनीति शुरु हो गई है। शनिवार का प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन ऐसी ही एक कोशिश थी। संसद के विशेष सत्र में 131 संविधान संशोधन विधेयक को सरकार पारित नहीं करवा सकी। इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने मोदी सरकार को करारी हार का स्वाद चखाया तो अब भाजपा कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर हमलावर है कि वह नारी का अपमान करती है। हालांकि संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष ने लगातार यही कहा कि उसका विरोध महिला आरक्षण से नहीं है। जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मोदी सरकार लाई थी, जिसके जरिए महिलाओं को संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, तो सारे दलों ने इस पर सहमति जताई थी। तब प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफलता के लिए अपनी पीठ थपथपाई थी, तो अब उनके द्वारा लाया गया एक दूसरा विधेयक पारित नहीं हो सका, तो इस की जिम्मेदारी भी उन्हें खुद लेनी चाहिए, मगर वे विपक्ष पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। दरअसल विपक्ष का विरोध महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिशों पर था। यह बात उसने पहले ही साफ कर दी थी, फिर भी सरकार ने विधानसभा चुनावों के बीच में संसद का विशेष सत्र लगाया, ताकि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित करवा सकें, लेकिन संविधान संशोधन विधेयक में ही सरकार के हाथ नाकामी लगी, तो अभी के लिए बाकी दोनों विधेयकों से किनारा कर लिया गया। सरकार ने 2023 में पारित विधेयक पर तो कानून नहीं बनाया, लेकिन अब चाहती है कि बिना जनगणना के परिसीमन हों, जिसमें संसद और विधानसभा की सीटें बढ़ जाएं, उसके बाद उसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया जाए। लेकिन विपक्ष का तर्क था कि महिलाओं को आरक्षण आप अभी दे दीजिए, उसके लिए परिसीमन की जरूरत नहीं है। असल में मोदी सरकार की निगाहें 2029 के चुनावों पर हैं, जिसमें परिसीमन के बाद उत्तरभारत की सीटें दक्षिण भारत की तुलना में बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां आबादी ज्यादा है और दक्षिण भारत में जनसंख्या पर काफी हद तक नियंत्रण है। भाजपा को उत्तरभारत से ही फायदा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार की चालाकी नाकाम हो गई। राहुल गांधी ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जिस तरह जादूगर का खेल खराब होने की कहानी सुनाई और उस पर सत्तापक्ष के लोग हड़बड़ाए, घबराए दिखे, उसी से समझ आ गया कि उन्हें भी हार का डर था। हालांकि हारने के बाद भी भाजपा ने जब विपक्ष को ही महिला-विरोधी साबित करने की कोशिश की और मीडिया इसमें रूदाली की भूमिका में आ गया, तो प्रियंका गांधी ने शनिवार सुबह एक प्रेस कांफ्रेंस कर सारी स्थिति साफ कर दी कि हम महिला आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, उसके नाम पर अभी परिसीमन कराने की कोशिश के विरोध में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का मसीहा बनना आसान नहीं होता। उसके लिए काम करना पड़ता है। इससे पहले प्रियंका गांधी ने संसद में यह भी कहा था कि बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं झट से पहचान लेती हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की समझ में शायद इनमें से एक भी बात नहीं आई और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस का जवाब देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। राष्ट्र के नाम संबोधन किया, जिसमें मणिपुर में भड़कती हिंसा, ईरान के कारण ऊर्जा संकट, भारतीय झंडे वाले जहाज पर ईरानी नेवी का हमला, अर्थव्यवस्था का डांवाडोल होना, ऐसे किसी जरूरी मुद्दे पर बात नहीं की, आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए महिला आरक्षण लागू न करने के लिए विपक्ष को कोसा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए देश की 'माताओं और बेटियों' से माफी मांगी और विपक्ष पर 'छोटी राजनीति' के कारण महिलाओं के सपनों को कुचलने का आरोप लगाया। अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में कम से कम 34 बार तो प्रधानमंत्री ने कांग्रेस का नाम लिया, यानी औसतन हरेक मिनट में कांग्रेस कहा, उसके अलावा सपा, डीएमके, टीएमसी सबकी बुराई की। अब उन्हें इतना ही दुख है कि महिलाओं को आरक्षण नहीं मिल पा रहा है, तो विपक्ष जो कह रहा है कि 2023 में पारित विधेयक को ही लागू कर दीजिए, तो इस बात को श्री मोदी क्यों नहीं मान रहे हैं। और विपक्ष के सामने खुद को इतना ही मजबूर समझ रहे हैं, तो इंदिरा गांधी की तरह लोकसभा भंग कर फिर से बहुमत लाने का साहस दिखाइए। ध्यान रहे कि सितंबर 1970 में प्रिवीपर्स खत्म करने वाला विधेयक राज्यसभा में मात्र एक वोट से गिर गया था। इस हार के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग कर दी थी। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार था जब लोकसभा भंग की गई थी। तब इंदिरा गांधी ने इसी तरह देश को संबोधित किया और अपने प्रसारण में कहा, 'हम केवल सत्ता में बने रहने को लेकर चिंतित नहीं हैं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग अपनी जनता के विशाल बहुमत के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए करना चाहते हैं। इसके बाद 1971 में मध्यावधि चुनाव हुए।

# क्या आप सांसदों की बगावत के बाद पंजाब सरकार की बारी है?

> मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया है कि केजरीवाल ने सांसदों से कहा था कि अगर उन्हें किसी भी बात की आशंका है तो आप अपने पदों से इस्तीफा दे दें और आपको अगले कार्यकाल तक फिर टिकट दिया जाएगा।

गिरगिट भी शरमा जाए जिस रफ्तार से केजरीवाल ने अपने आदर्श बदले हैं। कल तक जो नेता इनके दांये बांये खड़े होकर कसीदे पढ़ते थे आज वही इन्हें बीच मझधार में छोड़कर भाग रहे हैं। सत्ता के लालच में बना यह कुनबा अब पूरी तरह बिखर चुका है और केजरीवाल की हैसियत अब उस सेनापति जैसी हो गई है जिसकी सेना ही उसे गद्दार मानकर मैदान छोड़ चुकी है। बहरहाल आम आदमी पार्टी को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है। राज्यसभा में आप के 10 सांसदों में से राघव चड्ढा समेत सात सांसदों ने बीजेपी में विलय कर लिया है। इस कदम के बाद राज्यसभा में अब आप के केवल तीन सदस्य बचे हैं। इसके अलावा पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले आप में इतनी बड़ी टूट आम आदमी पार्टी के लिए बड़ी परेशानी साबित हो सकती है। हालांकि माना जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल को पहले ही अंदेशा था पार्टी के भीतर कुछ लोग खुश नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने इन लोगों को अपने घर मिलने के लिए बुलाया था। जानकारी के मुताबिक केजरीवाल ने इसी सिलसिले में बात करने के लिए इन सांसदों को अपने घर मीटिंग के लिए बुलाया था लेकिन सांसदों ने पहले ही बीजेपी में विलय का ऐलान कर दिया और ये मीटिंग कभी हो ही नहीं सकी। केजरीवाल को इस बात की भनक नहीं थी कि ये सांसद पहले ही बीजेपी में जाने का मन बना चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन सांसदों ने मिलकर पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं बनाई थी बल्कि सभी ने व्यक्तिगत रूप से फैसला लिया था। जब आप ने राघव चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को डिप्टी लीडर पद के लिए चुना तभी राघव चड्ढा ने सांसदों से संपर्क किया और उनसे बातचीत की। इसी दौरान अशोक मित्तल ने भी आम आदमी पार्टी छोड़ने का मन बना लिया। इन सांसदों के इस्तीफे की जानकारी मध्य दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेसवार्ता में दी गई, जिसके कारण कई लोग हैरान रह गए। इसके बाद 'आप' के प्रमुख केजरीवाल ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है, जबकि राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले सातों सांसदों को गद्दार करार दिया। वहीं भाजपा ने सांसदों का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें मिठाई खिलाई। नवीन ने इसके तुरंत बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज पार्टी मुख्यालय में राघव चड्ढा जी, संदीप पाठक जी और अशोक मित्तल जी का भाजपा परिवार में स्वागत किया। साथ ही, हरभजन सिंह जी, स्वाति मालीवाल जी, विक्रम साहनी जी और राजेंद्र गुप्ता जी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर काम करने के लिए शुभकामनाएं। इससे पहले राघव चड्ढा ने कहा, जिस आम आदमी पार्टी को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा, अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है। हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने पार्टी के 10 सांसदों को लेकर कहा, संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। चड्ढा ने कहा, उन्होंने (सांसदों) पहले ही हस्ताक्षर कर दिए थे, और आज सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों और अन्य औपचारिक दस्तावेजों समेत सभी आवश्यक दस्तावेज सौंप दिए। आप के राष्ट्रीय महासचिव रहे पाठक ने भी कहा कि पार्टी उन सिद्धांतों से भटक गई है जिनपर इसकी स्थापना हुई थी। सात सांसदों में से चड्ढा, पाठक, मित्तल, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और हरभजन सिंह समेत छह सांसद पंजाब जबकि स्वाति मालीवाल दिल्ली से हैं। आप के जिन तीन राज्यसभा सदस्यों ने अब भी पार्टी से अपना संबंध बनाए रखा है, उनमें संजय सिंह, एनडी गुप्ता और बलबीर सिंह सीचेवाल शामिल हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि बीजेपी 'ऑपरेशन लोटस' के जरिए भगवंत मान सरकार को गिराना चाहती है। राज्यसभा के सात सांसदों का जाना इस बात का संकेत है कि पंजाब में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।ये सातों सांसद पंजाब को रिप्रेजेंट करते हैं। राघव चड्ढा का बीजेपी में जाना पंजाब के कैडरों में बड़ी सेंधमारी कर सकता है। राघव चड्ढा ने बीजेपी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।यही राघव चड्ढा कुछ समय पहले तक केंद्र सरकार की नीतियों के सबसे मुखर आलोचक थे। उनका यह यू-टर्न दिखाता है कि विपक्षी एकता के दावों में कितनी खोखलापन है। केजरीवाल जो खुद को मोदी के विकल्प के रूप में पेश कर रहे थे, उनके अपने सबसे खास सिपहसालार ही अब मोदी के नेतृत्व में देश सेवा की बात कर रहे हैं। यह केजरीवाल के नेशनल एम्बिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि, राजनीति में केवल भावनाओं से काम नहीं चलता। जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि आखिर एक साथ इतने सारे वरिष्ठ नेता पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं?अगर केजरीवाल अपने सबसे भरोसेमंद साथियों को साथ नहीं रख पा रहे, तो वह देश कैसे चलाएंगे? यह सवाल अब सोशल मीडिया से लेकर गलियों तक गूंजने लगा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आम आदमी पार्टी अपनी स्थापना के बाद के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे नेता और अब सांसदों की सामूहिक बगावत ने पार्टी की साख को मिट्टी में मिला दिया है।केजरीवाल के लिए यह सिर्फ एक राजनीतिक हार नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत हार भी है। राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे लोग उनके घर के सदस्यों की तरह थे। अब जब घर के लोग ही साथ छोड़ गए हैं, तो बाहर की लड़ाई और भी कठिन हो गई है।क्या केजरीवाल इस मलबे से अपनी पार्टी को दोबारा खड़ा कर पाएंगे या यह AAP के पतन की शुरुआत है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

**अशोक भाटिया**

## भाजपा की चुनावी ...

जगदीश रत्तनानी

# एक असफल विधेयक के पीछे की गहरी कहानी

कुल मिलाकर इस पूरी कवायद की उपलब्धि यही रही कि परस्पर विश्वास टूट गया। परस्पर विश्वास का पहला हिस्सा सत्तारूढ़ वर्ग और उन्हें चुनने वाले लोगों के बीच होता है। चुने हुए लोगों पर भरोसा किया जाता है कि वे मतदाताओं की ज़रूरतें पूरी करेंगे। दूसरा हिस्सा नागरिकों के बीच का भरोसा है, जिन्हें मिलकर लोकतांत्रिक राज्य और उसकी संस्थाओं के लीवर्स पर काम करना चाहिए। लोकसभा में महिला रिजर्वेशन का मुद्दा सीधा-सादा होना चाहिए था। सरकार कहती है कि वह महिला आरक्षण चाहती है; विपक्ष पूरी तरह इसके साथ है। फिर भी, देश को महिलाओं के लिए आरक्षण नहीं मिला बल्कि एक ऐसा विधेयक मिला जिसे फेल होने के लिए ही बनाया गया था। बिल के गिरने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। मानो इसका पूरा मकसद विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक बातचीत को टकराव और कड़वाहट के एक नए स्तर पर ले जाना था। हाल के दिनों में भारतीय लोकतंत्र इसी बुरी हालत में पहुंच गया है। भाजपा के नेतृत्व में यह एक ऐसी संस्कृति है जिसने राजनीति को मुक्केबाजी के रिंग जैसा बना दिया है जिसमें विपक्ष को हर कदम पर हैरान, सदमे में और मैदान से बाहर होना पड़ता है। महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे चालबाज राजनीति का सिर्फ नया उदाहरण हैं जो राजनीतिक गर्मी बढ़ाने, भरोसे में कमी लाने और द्विपक्षीय सहमति की किसी भी गुंजाइश को खत्म करने में योगदान दे रहे हैं- जो लोकतंत्र में रोज़मर्रा के कामकाज का हिस्सा होना चाहिए। भारतीय समाचार ध्यान देने वाली बात यह है कि महिलाओं के लिए आरक्षण से जुड़ा विधेयक (131वां संविधान संशोधन विधेयक) उन महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों के दौरान आया है जिन पर काफी चर्चा हो रही है। जिस बिल को सदन में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत थी उसे किसी प्रसार या सलाह-मशविरा किए बिना कुछ आश्चर्यजनक अनुच्छेद- एक नये और जल्दबाजी वाले परिसीमन के साथ लाया गया जिससे 2029 के चुनावों से पहले लोकसभा सीटें 543 से बढ़कर 850 हो जाएंगी। इनमें से 33 प्रतिशत बढ़ी हुई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार को पता रहा होगा कि सही सलाह-मशविरे और पहले से सहमति के बिना इतना बड़ा बदलाव पारित नहीं होगा। भाजपा की चुनावी मुहिम के हिस्से के तौर पर विधेयक का अवश्यंभावी रूप से गिरना विपक्ष पर नए हमले का आधार बन गया। साफ़ है, दक्षिणी राज्यों ने विधेयक का विरोध किया। विधेयक पास होने का मतलब था कि वे अनुपात के हिसाब से सीटें खो देंगे क्योंकि उनकी आबादी जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियंत्रण के करीब पहुंच गई है जबकि भाजपा के कंट्रोल वाले उत्तरी राज्यों को विकास की अपर्याप्त व खराब कोशिशों के बावजूद या उसकी वजह से ज्यादा सीटें मिलेंगी। यह होना ही था क्योंकि परिसीमन का मकसद उस आबादी को सामान्य बनाना है जिनकी सेवा जनता के प्रतिनिधि करते हैं ताकि ज़्यादा जनसंख्या का मतलब लोकसभा में ज़्यादा सीटें हों। इसके अलावा जिस सरकार ने कभी विपक्ष के साथ भरोसे का माहौल नहीं बनाया उस पर कई वर्षों से लंबित परिसीमन प्रक्रिया में लोकसभा सीटों की सीमाओं को फिर से बनाने का विश्वास कैसे किया जा सकता है? ऐसे प्रयास के लिए समर्थन की कमी साफ थी। फिर भी विधेयक पेश किया गया जो उम्मीद के मुताबिक गिर गया और ऐसा लगा कि भाजपा ने इसे एक नए हमले के लिए इस्तेमाल किया ताकि वह खुद को महिला आरक्षण का समर्थक दिखा सके और विपक्ष को बदनाम कर सके। यह दुखद घटना 18 अप्रैल को रात 8.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश के नाम संबोधन से और भी खराब हो गई जिसने एक बड़े सरकारी पद को महत्वपूर्ण राज्य चुनावों के बीच एक पार्टी का हिस्सा बना दिया। यह भाषण भाजपा के लिए और भाजपा की तरफ से पर्चे बांटने जैसा था जिसमें विधेयक पर हुई गड़बड़ी के बारे में कोई सफाई नहीं दी गई। प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों का नाम लिया और उन पर महिलाओं के लिए आरक्षण न चाहने का आरोप लगाया जबकि मुद्दा सरकार और 2029 के चुनावों के लिए उसके शॉर्ट टर्म एजेंडे पर गहरा अविश्वास था। इस प्रक्रिया में प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक राजनेता-नेता के तौर पर उभरने का मौका खत्म हो गया और जो विषय को समझाने, स्पष्ट करने और देश को एक साथ लाने के लिए ज़िम्मेदार था। भाजपा के हिसाब से यह हार शायद कुछ भी मायने नहीं रखती लेकिन यह भरोसे के टूटने की तरफ एक और कदम है जिससे सत्तारूढ़ और विपक्ष के बीच बातचीत की गुंजाइश और कम हो जाती है। प्रधानमंत्री के देश के नाम खास भाषण का इस्तेमाल इसके पहले कभी गाली-गलौज के लिए नहीं किया गया जिसमें खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले के भाषण भी शामिल हैं। इस बीच आरक्षण का मुद्दा अब और ज़्यादा राजनीतिक हो-हल्ले में उलझा हुआ है जिससे असली सवाल हल नहीं होता। विपक्ष ने निश्चित रूप से मांग की है कि किस तरह यहीं पर (इसी विधेयक में) नए परिसीमन की प्रक्रिया और उससे जुड़े सभी विवादित मुद्दों का इंतज़ार किए बिना सरकार महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए रास्ते ढूंढ सकती है। सप्ताहांत में द्रमुक ने बिना परिसीमन या जनगणना रिपोर्ट के मौजूदा लोकसभा सदस्यों के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण लागू करने के लिए एक निजी सदस्य संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। यह ध्यान देने वाली बात है कि लोकसभा में मौजूदा सदस्यों के प्रतिशत के तौर पर तृणमूल कांग्रेस में महिलाओं की संख्या सबसे ज़्यादा- 38 फीसदी (29 में से 11 महिलाएं) है जबकि भाजपा में यह सिर्फ़ 13 प्रति सैकड़ा (240 में से 31 महिलाएं) हैं।

## वो सरकार जो ...

मीनाक्षी नटराजन

# महिला आरक्षण विधेयक : नाम भर में है 'वंदन'

नारी वंदन अधिनियम विधेयक' वर्ष 2023 में सर्व-सम्मति से पारित हुआ था। प्रमुख विपक्षी दलों ने 2024 के आम चुनाव से ही 'महिला आरक्षण' को लागू करने की पेशकश की थी। सरकार ने इसे यह कहकर टाल दिया था कि जनगणना और परिसीमन के पहले यह सम्भव नहीं है। तब तक 'जाति जनगणना' को देशद्रोही कदम के बतौर प्रस्तुत किया जा रहा था। इस बीच नवीन लोकसभा का सदन करीबन आठ सौ सदस्यों के लिए बनाया गया। वो सरकार जो जातिगत गिनती के लिए कुछ समय पहले ही घुटने टेक चुकी थी, जो पहले कहती थी कि जनगणना इतनी जल्दी नहीं हो सकती, इसलिए 'महिला आरक्षण' भी नहीं हो सकता, उसे अब सब कुछ जल्द क्रियान्वित करने की गरज क्यों? कुछ और भी बुनियादी सवाल हैं। विपक्ष ने वृहद नारी समता और न्याय के चलते विधेयक के नामकरण पर अटकना रणनीतिक तौर पर आवश्यक नहीं समझा होगा। नाम में क्या रखा है, असल मकसद को समझा जाये। ऐसी विचार व्यवस्था बहुत हद तक पैठ चुकी है, पर नाम राजनीतिक होते हैं। खासकर विधेयकों के नाम को राजनीति से परे नहीं मान सकते महिला अपनी विभिन्न भूमिकाओं से परे मानव हैं। यह निसर्ग द्वारा प्रदत्त हक़ है। इसको मान्य किये बगैर किसी वंदन के कोई मायने नहीं। पितृसत्ता बरसों से स्त्री को परिभाषित करती आई है। वह कभी देवी, कभी दासी, कभी सहचरी के रूप में देखी जाती है। वह वन्दनीय, प्रातः स्मरणीय होती है। मग़र उसके कुछ मानक हैं जो पुरुष तय करते हैं। अहिल्या, सीता, तारा, मंदोदरी, द्रौपदी ब्राह्मणवादी आस्था परम्परा में प्रातः स्मरणीय हैं। कीमत चुकाकर क्या कोई स्त्री वंदन योग्य हुई है? यह इन उदाहरणों से स्वयंसिद्ध है। एक तरह से इन पांचों पर थोपी गईं जबरदस्ती, तथाकथित शुद्धता की परीक्षा, उसके स्वामित्व का सवाल, उपभोग, उपयोग और वस्तुकरण को वैधानिकता मिलती है। वंदन की परंपरा में महिला हक़ के साथ पैदा नहीं होती। उसको भलमनसाहत वाले पुरुष कुछ देते हैं। ज़ाहिर है, हक़ के साथ पैदा होना और किसी से मेहरबानी में कुछ प्राप्त करना दो बहुत अलग व्यवस्था है। प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने स्त्री को हमारी तहज़ीब के मेरुदंड की तरह देखा था। उन्होंने महिलाओं को आरक्षण देने की पेशकश की, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने से चौसठवां संविधान संशोधन पारित नहीं हो सका। बाद में 1993 में वह पारित हुआ। पितृसत्ता के गढ़ में एक तिहाई आरक्षण सुनिश्चित हुआ। वही बाद में अनेक राज्यों में पचास फीसदी में तब्दील हुआ। गांव और मोहल्लों में पितृसत्ता फलीभूत होती है, तब भी यह हो सका। यह करते समय पुरुषों की प्रधानता को ललकारा गया। आज सीट बढ़ाकर महिला आरक्षण करने की गरज दरअसल पुरुष प्रधानता को सुनिश्चित रखने की कवायद है, ताकि वह यथावत रहे। वरना महिला आरक्षण का परिसीमन से क्या वास्ता? मौजूदा 543 सदस्यों में एक तिहाई आरक्षण क्यों नहीं दिया जा सकता?

## जरा हटके

## सुप्रीम कोर्ट ने...

अमरेश कुमार

# प्राविधिक शिक्षा विकसित भारत और स्वर्णिम उत्तर प्रदेश के निर्माण की आधारशिला

आधुनिक विश्व के इतिहास में शिक्षा सदैव से ही प्रगति का एकमात्र माध्यम रही है, परंतु इक्कीसवीं सदी में शिक्षा की परिभाषा और उसकी प्रासंगिकता ने एक नया मोड़ लिया है। आज का युग केवल साक्षरता का नहीं, बल्कि तकनीकी सक्षमता और कौशल का है। सूचना और संचार क्रांति के इस दौर में प्राविधिक शिक्षा (ज्मबीदपबंस म्कनबंजपवद) किसी भी राष्ट्र की प्रगति तय करने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरी है। भारत, जो आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है, अपनी इस अपार जनशक्ति को 'जनसांख्यिकीय लाभांश' में बदलने के लिए प्राविधिक शिक्षा को ही एकमात्र मार्ग के रूप में देख रहा है। विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में दी जाने वाली यह व्यावहारिक शिक्षा केवल डिग्रियों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह वह सामर्थ्य है जो एक सामान्य युवा को वैश्विक स्तर के नवाचार (प्ददवअंजपवद) और समस्या-समाधान की क्षमता से लैस करती है। यदि हम भारत को 2047 तक एक 'विकसित राष्ट्र' के रूप में लाने के लिए तकनीकी संस्थानों और वहां दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार बनाये रखना होगा। प्राविधिक शिक्षा की महत्ता केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता के उस सपने को साकार करने का माध्यम है, जिसका आह्वान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। इस राष्ट्रीय संकल्प को धरातल पर उतारने में उत्तर प्रदेश की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। राज्य सरकार ने यह भली-भांति समझा है कि बिना तकनीकी कौशल के किसी भी बड़े औद्योगिक निवेश को सफलता के शिखर तक नहीं पहुँचाया जा सकता। उत्तर प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में जो क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वर्णिम भविष्य के द्वार खोल रहे हैं। योगी सरकार का विजन 'शिक्षा को सीधे उद्योग' (म्कनबंजपवद जव प्दकने-जतल) से जोड़ने का है। इसी कड़ी में राज्य के 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (प्ज्प्) का उन्नयन टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। यह केवल भवनों का जीर्णोद्धार नहीं है, बल्कि यह पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं को 'इंडस्ट्री 4.0' की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास है। आज जब दुनिया रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (प्वज्) और 3डी प्रिंटिंग जैसी तकनीकों की ओर बढ़ रही है, तब उत्तर प्रदेश के युवा इन क्षेत्रों में प्रशिक्षित होकर वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हो रहे हैं। यह आधुनिक बदलाव उन युवाओं के लिए संजीवनी के समान है जो आर्थिक अभावों के कारण उच्च तकनीकी शिक्षा से वंचित रह जाते थे। उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट जैसे शहरों में फैले इस कॉरिडोर को सफल बनाने के लिए जिस कुशल कार्यबल की आवश्यकता है, उसे तैयार करने की जिम्मेदारी प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को सौंपी गई है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इन औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास स्थित पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज सीधे उन उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करें। इससे न केवल उद्योगों को तैयार वर्कफोर्स मिल रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं को अपने ही जनपद में सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का 'एक जनपद, एक उत्पाद' अभियान भी तकनीकी शिक्षा के बिना अधूरा रहता। पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें वैश्विक बाजार के योग्य बनाना प्राविधिक शिक्षा की ही देन है। राज्य सरकार ने तकनीक को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि सुदूर ग्रामीण अंचलों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित की है।

# कर्म तो करना ही पड़ता है

कर्म करेंगे तो ही हमें फल की प्राप्ति होगी । भगवान महावीर ने 12 वर्षों से ऊपर साधना की तो उनको केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। इसी तरह त्यागी पाँच महाव्रतधारी साधु -सन्त साधना के द्वारा मोक्ष की और अग्रसर हैं । हम गृहस्थ भी अपने कर्तव्य का समुचित निर्वहन करते हुए अपने जीवन में अग्रसर हैं । सब कुछ हमारे द्वारा भाग्य भरोसे छोड़ने पर या रुकने पर हमें कुछ नहीं प्राप्त होता है। हर यात्रा का प्रारम्भ और गंतव्य होता है। जन्म के साथ ही आदमी यात्रा पथ पर चलना प्रारम्भ करता है। रास्ता कहीं उबड़-खाबड़ कहीं सपाट समतल तो कहीं दुर्गम मिलता है। और अंत में अंतिम स्टेशन पर वह पहुँच जाता है। इस यात्रा में हमारे कर्म हैं हमारे सामान। और कर्म निर्भर हैं कैसे हैं हमारे अन्तहीन अरमान। हमारी यात्रा की अवधि है पूर्व निश्चित । गंतव्य से भी है हमारा गार्ड एवं चालक परिचित। पर इन दोनों ही से हम पैसेंजर हैं एकदम अनभिज्ञ-अपरिचित। बस हमें यही करना है हमारा जीवनवृत हो ऐसा कि हमारी इस जीवन यात्रा में सीट हो फ़र्स्ट क्लास और गंतव्य पर विश्राम स्थल हो सुपर डी-लक्स। अन्य शब्दों में सीधी सी बात हैं की हम भीड़ की राह न चलें अपने विवेक से सही राह चुनें ।और सही समय पर सही समझ और सही विवेक की शुद्ध कसौटी से जीवन में खरे आगे बढ़े इस मास्टर चाबी से गलत को तिलांजलि दे।यह सम्भव है निरन्तर सही दिशा में प्रयास करते रहने से समय कम ज्यादा कितना ही लगे परन्तु सदैव पाँव-पाँव चलने से ही हमें सही गंतव्य मिलता है।

**प्रदीप छाजेड़ ( बोरावड़ )**

# डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज फ्रेंच ओपन से हटे

## कलाई में चोट, रोम मास्टर्स से भी बाहर

■ कार्लोस अल्काराज 2025 फ्रेंच ओपन के विजेता हैं।

**नई दिल्ली, एजेंसी**

टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्काराज इस साल फ्रेंच ओपन में नजर नहीं आएंगे। दो बार के मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने कलाई की चोट से उबरने के लिए हटने का फैसला किया है। वे रोम मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लेंगे। फ्रेंच ओपन 18 मई से होना है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर जानकारी दी। अल्काराज ने बताया कि टीम ने तय किया कि पूरी तरह फिट हुए बिना वापसी जोखिम भरी हो सकती है, इसलिए रिकवरी पर ध्यान जरूरी है। अल्काराज ने 12 अप्रैल को मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में जैनिक सिनर से हारकर वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग गंवा दी थी। अब फ्रेंच ओपन से हटने के कारण उन्हें रैंकिंग पॉइंट्स का बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन के तौर पर अपने पॉइंट्स डिफेंड करने वाले थे। उनकी गैर-मौजूदगी में सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच खिताबी जंग और रोचक होगी। अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टानन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी।

■ अल्काराज को बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी।

### कोच और टीम की सलाह- वापसी में जल्दबाजी न करें

अल्काराज ने पोस्ट में लिखा, 'हमने तय किया है कि सबसे समझदारी वाला काम सावधानी बरतना है। रोम या रोलां गैरो में हिस्सा न लेना एक कठिन फैसला है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इस चोट से उबरकर और मजबूती से वापसी करूंगा।' अल्काराज अब मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैब करेंगे और रिकवरी की प्रोग्रेस देखने के बाद ही तय करेंगे कि वे किस टूर्नामेंट से वापसी करेंगे।

### बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टानन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी।

**अल्काराज के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले पुरुष खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 रहा है और उन्होंने दोहा में एक खिताब जीता है। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने जनिक सिनर के खिलाफ तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर खिताब जीता था।**

# ओलिंपिक : कॉमनवेल्थ के बाद अब 2038 एशियन गेम्स की तैयारी

## अहमदाबाद होगा मुख्य सेंटर, ओसीए की टीम जल्द करेगी दौरा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

2036 ओलिंपिक की मजबूत दावेदारी और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स (CWG) की मेजबानी हासिल करने के बाद अब भारत की नजरें 2038 के एशियन गेम्स पर हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) ने आधिकारिक तौर पर इसके लिए अपनी इच्छा जाहिर की है। गुरुवार को चीन के सान्या में ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) की एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक हुई। इसमें भारत के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बोर्ड ने फैसला लिया है कि भारत की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जल्द ही एक इवैल्यूएशन टीम देश का दौरा करेगी। 2038 के स्लॉट के लिए भारत के अलावा साउथ कोरिया और मंगोलिया ने भी अपनी रुचि दिखाई है। 2036 ओलिंपिक और 2030 CWG की तरह 2038 एशियन गेम्स का केंद्र भी अहमदाबाद ही रहेगा। गुजरात सरकार ने इसके लिए बड़े स्तर पर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण शुरू कर दिया है। सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेवः नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास 355 एकड़ में फैला यह इलाका मुख्य केंद्र होगा। यहां एक्वेटिक्स, टेनिस सेंटर और इंडोर एरेना बनाए जा रहे हैं। कराई स्पोर्ट्स हबः गांधीनगर में 143 एकड़ में एथलेटिक्स स्टेडियम, शूटिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य वेन्यू तैयार किए जा रहे हैं। भारत ने 1951 में पहले एशियन गेम्स की मेजबानी की थी। इसके बाद आखिरी बार 1982 में ये खेल भारत में हुए थे। दोनों ही बार मेजबानी दिल्ली ने की थी। अगर भारत 2038 की बिड जीतता है, तो यह 56 साल बाद देश में एशियन गेम्स की वापसी होगी। IOA के अधिकारियों का मानना है कि 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी भारत के लिए 'लॉजिकल स्टेप' है। 2030 CWG और 2036 ओलिंपिक के लिए अहमदाबाद में इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से ही तैयार होगा, ऐसे में एशियन गेम्स के आयोजन की लागत काफी कम हो जाएगी। यदि भारत को 2036 ओलिंपिक की मेजबानी मिलती है, तो एशियन गेम्स के लिए वही वेन्यू इस्तेमाल हो सकेंगे।

## फास्ट न्यूज

### फेंटी ब्यूटी के इवेंट में शामिल हुईं रिहाना

मुंबई। मुंबई के फीनिक्स पैलेडियम में शुक्रवार को इंटरनेशनल पॉप स्टार रिहाना अपने कॉस्मेटिक ब्रांड फेंटी ब्यूटी के भारत में आधिकारिक लॉन्च इवेंट में शामिल हुईं। इस इवेंट को 'फेंटी ब्यूटी की हवेली' नाम दिया गया था। कार्यक्रम में रिलायंस रिटेल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी भी मौजूद थीं। इसके अलावा एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर, अदिति भाटिया और कई बॉलीवुड सेलेब्स भी इवेंट में शामिल हुए।

### वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए। डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई। डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है।

### दुर्लभ-पुरानी चीजों में 13% तक बढ़ा

मुंबई। लग्जरी निवेश का बाजार स्थिर हो रहा है। कलेक्टर्स का फोकस अब सामान्य निवेश से हटकर वस्तुओं की दुर्लभता और उनके ऐतिहासिक अहमियत पर शिफ्ट हो गया है। नाइट फ्रैंक की 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' के मुताबिक, 2025 में लग्जरी इन्वेस्टमेंट इंडेक्स में 0.4% की मामूली गिरावट आई। यह पिछले दो वर्षों से कई श्रेणियों में चल रहे व्यापक गिरावट के बाद स्थिरता का एक संकेत है।

# 252 करोड़ के मेफेड्रोन मामले में नोरा फतेही-श्रद्धा कपूर के नाम सामने आए थे

# ड्रग केस में सेलिब्रिटीज के खिलाफ ठोस सबूत नहीं

**मुंबई, एजेंसी**

मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (ANC) के 252 करोड़ रुपए के ड्रग्स केस में आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख उर्फ लैविश के खिलाफ अगले हफ्ते चार्जशीट दाखिल करेगी। जांच के दौरान कई सेलिब्रिटीज के नाम सामने आए थे, लेकिन उनके खिलाफ अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। यह बात एक सीनियर ऑफिसर ने मुंबई मिरर के साथ बातचीत में कही। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ आरोपी के बयान के आधार पर किसी की भूमिका तय नहीं की जा सकती। लैविश फरार ड्रग माफिया सलीम डोला का करीबी माना जाता है। यह मामला साल 2022 में ड्रग्स बनाने और सप्लाई करने से जुड़ा है। लैविश को यूएई से भारत लाया गया था। मुंबई मिरर ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया कि वह दाऊद इब्राहिम गैंग से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क का अहम सदस्य है। सप्लाई का पूरा नेटवर्क और पैसों के लेन-देन की जानकारी शामिल होगी।

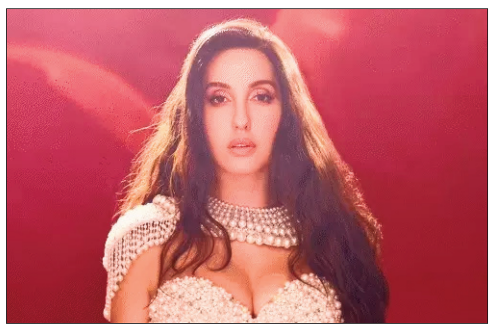

**आगे उन्होंने लिखा था, जो भी पढ़ते हो, उस पर भरोसा मत करो। लगता है मेरा नाम इस्तेमाल करना बहुत आसान है। लेकिन इस बार मैं ऐसा होने नहीं दूंगी। ये पहले भी हुआ है, आप लोगों ने झूठ फैलाकर मुझे बर्बाद करने की कोशिश की थी, लेकिन वो कामयाब नहीं हुई।**

### आरोपी ने सेलेब्स के नाम लिए थे

रिपोर्ट के मुताबिक, अपनी रिमांड एप्लीकेशन में ANC ने कोर्ट को बताया कि लैविश ने दुबई और मुंबई में शानदार पार्टियां होस्ट की थीं। इन पार्टियों में कथित तौर पर कई सेलिब्रिटी और जाने-माने लोग शामिल हुए थे, जिनमें एक्ट्रेस नोरा फतेही और श्रद्धा कपूर, फिल्ममेकर जोड़ी अब्बास-मस्तान, इन्फ्लुएंसर ओरी शामिल थे। वहीं, पिछले साल सिद्धांत कपूर और ओरी से ANC ने पूछताछ की थी।

### क्या है पूरा मामला ?

इस मामले की शुरुआत अगस्त 2022 में एएनसी की एक कार्रवाई से हुई थी। उस समय मुंबई के एक व्यक्ति को मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था।

इसके बाद एक बड़े ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि इस रैकेट के कुछ हैंडलर दुबई से काम कर रहे थे और पैसों के लेन-देन के लिए हवाला का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मार्च 2024 में सांगली जिले में मेफेड्रोन बनाने की एक फैक्ट्री पकड़ी गई। यहां से 250 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स और संपत्ति जब्त की गई।

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह यूनिट सलीम डोला और उसके साथियों के नेटवर्क से जुड़ी थी।

**"16 नवंबर 2025 को नोहा फतेही ने ड्रग केस में नाम आने के बाद सफाई देते हुए लिखा था, मैं पार्टियों में नहीं जाती, मैं हमेशा फ्लाइट्स पर रहती हूं, मैं वर्कहॉलिक हूं, मेरी कोई पर्सनल लाइफ नहीं है, मैं ऐसे लोगों के साथ जुड़ती भी नहीं हूं और अपनी छुट्टी के दिनों में मैं दुबई में बीच पर या अपने हाई स्कूल दोस्तों के साथ घर पर होती हूं। मैं अपना पूरा दिन और रात अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने में लगाती हूं। मार्च 2024 में सांगली जिले में मेफेड्रोन बनाने की एक फैक्ट्री पकड़ी गई। यहां से 250 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स और संपति जब्त की गई।"**

# दावा : ब्रिटेन ने जंग में साथ नहीं दिया, ट्रम्प नाराज

## ब्रिटेन के कब्जे वाले फॉकलैंड द्वीप पर अर्जेंटीना का साथ दे सकते हैं

**लंदन, एजेंसी**

ब्रिटेन और स्पेन ने NATO से जुड़ी एक अमेरिकी रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। इसमें कहा गया था कि ट्रम्प सरकार इन दोनों देशों को सजा देने पर विचार कर रही हैं। इसकी वजह ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका का खुलकर साथ नहीं देना है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन के भीतर अधिकारियों के बीच एक ईमेल के जरिए बातचीत हुई, जिसमें अलग-अलग संभावित कदमों (ऑप्शन्स) पर विचार किया जा रहा था। जैसे कि विरोधी माने जा रहे देशों को NATO के अहम पदों से हटाना, स्पेन जैसे देश को गठबंधन में उसकी भूमिका को सीमित करना और ब्रिटेन के फॉकलैंड द्वीप पर दावे को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा करना। हालांकि पेंटागन ने इस ईमेल पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी और यह ईमेल सार्वजनिक रूप से भी सामने नहीं आया है। 1982 में अर्जेंटीना ने इन द्वीपों पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद ब्रिटेन की तत्कालीन प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर ने सेना भेजकर सिर्फ 10 हफ्ते में इन्हें वापस हासिल किया था। अर्जेंटीना के आत्मसमर्पण करने से पहले लगभग 650 अर्जेंटीनाई सैनिक और 255 ब्रिटिश सैनिक मारे गए थे। अमेरिका ने ब्रिटेन को खुफिया जानकारी, सैन्य सपोर्ट और लॉजिस्टिक मदद दी। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन थे और उन्होंने ब्रिटेन की प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर का साथ दिया। अमेरिका आधिकारिक तौर पर साफ-साफ नहीं कहता कि फॉकलैंड किसका है, लेकिन व्यवहार में वह ब्रिटेन के बहुत करीब है और उसे अपना अहम सहयोगी मानता है। हाल के समय में ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका, ब्रिटेन पर दबाव डालने के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल कर सकता है।

### शुरुआत में ब्रिटेन ने एयरबेस देने से इनकार किया था

ईरान पर हमलों के दौरान ट्रम्प और स्टार्मर के बीच तनाव देखने को मिला था। शुरुआत में ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी थी। बाद में ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद ब्रिटेन ने कुछ एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत दी, ताकि होर्मुज या ब्रिटिश ठिकानों को खतरा पैदा करने वाले ईरानी ठिकानों पर हमला किया जा सके। हालांकि फिर ट्रम्प इससे खुश नहीं हुए। दूसरी तरफ अर्जेंटीना में इस खबर को लेकर खुशी का माहौल है। सरकार के प्रवक्ता जेवियर लानारी ने कहा कि उनका देश 'माल्विनास' को वापस पाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ट्रम्प के करीबी माने जाते हैं।

### फॉकलैंड को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन में विवाद

फॉकलैंड द्वीप का मामला ब्रिटेन और अर्जेंटीना दोनों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। दोनों देश इस पर दावा करते हैं। अर्जेंटीना इस द्वीप को माल्विनास कहता है। फॉकलैंड दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित हैं और अर्जेंटीना से सिर्फ 500 किमी दूर है। वहीं ब्रिटेन से यह 13,000 किमी दूर स्थित है। अर्जेंटीना ऐतिहासिक रूप से इस द्वीप को अपना बताता आया है। अर्जेंटीना का कहना है कि ये द्वीप उसके पास होने चाहिए, क्योंकि ये उसके इलाके के करीब हैं। वहीं ब्रिटेन कहता है कि वहां रहने वाले लोग खुद को ब्रिटिश मानते हैं और उन्होंने वोट करके भी ब्रिटेन के साथ रहने की इच्छा जताई है, इसलिए यह उसका क्षेत्र है।

### फॉकलैंड नीति की समीक्षा कर सकता है अमेरिका

अब लीक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, फॉकलैंड द्वीप को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा कर सकता है। दरअसल, जब 1982 में फॉकलैंड युद्ध शुरू हुआ तब अमेरिका ने खुद को बीच में रखने की कोशिश की। अमेरिका चाहता था कि ब्रिटेन और अर्जेंटीना आपस में बात करके मामला सुलझाएं, क्योंकि दोनों ही उसके सहयोगी थे। लेकिन जब बातचीत से हल नहीं निकला, तो अमेरिका ब्रिटेन के पक्ष में आ गया।

# यूएस प्रेसिडेंट ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप

## अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया, 1300 आवेदन बेचे जाने का किया था दावा

**वाशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10 लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है। वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहले की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं। ट्रम्प ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रम्प का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं।

## क्रांतिकारी : अब एआई खुद प्रोजेक्ट प्लान बनाएगा और पूरा करेगा, इसे 100 नंबर के टेस्ट में 93 अंक मिले

# ओपनएआई का सबसे स्मार्ट जीटीपी-5.5 लॉन्च

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की रेस में ओपनएआई ने अपना सबसे स्मार्ट और समझदार एआई मॉडल GPT-5.5 पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह एआई की दुनिया में अगला बड़ा कदम है, जहां एआई अब केवल बातचीत नहीं करेगा, बल्कि असल में आपके काम को अंजाम भी देगा। पुराने एआई मॉडल्स को हर कदम पर निर्देश देने पड़ते थे, लेकिन GPT-5.5 उलझे हुए और कई हिस्सों वाले कामों को खुद-ब-खुद शुरू से आखिरी तक पूरा कर सकता है। आप इसे कोई भी प्रोजेक्ट सौंप सकते हैं और यह खुद उसकी प्लानिंग करेगा। एक्सपर्ट डेविड गेविट्र्ज ने इस नए एआई को 10 अलग-अलग कामों में परखा। ओपनएआई ने 23 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर GPT-5.5 लॉन्च की जानकारी दी। GPT-5.5 के आने से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में प्रतिस्पर्धा और तेज़ होने की उम्मीद है। टेक कंपनियां लगातार ऐसे मॉडल विकसित करने में जुटी हैं जो इंसानों की तरह सोच सकें और काम कर सकें। ऐसे में GPT-5.5 का लॉन्च इस रेस को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

### ओपनएआई ने 23 अप्रैल को लॉन्च किया जीटीपी-5.5

ओपनएआई ने अपना सबसे लेटेस्ट और पावरफुल मॉडल GPT-5.5 (कोडनेम: Spud) 23 अप्रैल 2026 को लॉन्च किया है। यह पिछले मॉडलों की तुलना में कहीं ज्यादा एजेंटिक यानी स्वतंत्र रूप से काम करने वाला है। GPT-5.5 की खासियत यह है कंटेंट तैयार करना हो, या किसी टेक्निकल टास्क को पूरा करना—यह मॉडल हर चरण को खुद मैनेज करने में सक्षम बताया जा रहा है।

**ओपनएआई ने 23 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर लीटीपी-5.5 लॉन्च की जानकारी दी।**

### जीटीपी-5.5 की प्रमुख खासियतें:

**नैटिव ओम्नीमॉडल :** यह टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो और वीडियो को एक ही सिस्टम में प्रोसेस करता है। पुराने मॉडलों में इन चीजों के लिए अलग-अलग सिस्टम जोड़े जाते थे, लेकिन जीटीपी-5.5 इन्हें एक साथ समझता है।

**एजेंटिक एआईः** यह केवल सवालों के जवाब नहीं देता, बल्कि जटिल कामों को पूरा करने के लिए खुद योजना बनाता है। जैसेः कोड लिखना, रिसर्च करना, डॉक्यूमेंट बनाना और टूल्स का इस्तेमाल करके काम खत्म करना।

**बेहतर रीजनिंग और स्पीडः** यह पुराने मॉडलों के मुकाबले 1.5 गुना ज्यादा तेज है और इसमें थिंकिंग मोड दिया गया है, जो मुश्किल मैथमेटिक्स और साइंटिफिक समस्याओं को गहराई से हल करता है।

**विशाल कॉन्टेक्स्ट विंडोः** यह एक बार में लाखों शब्दों को याद रख सकता है और उन पर काम कर सकता है।

### गेट्स-बफे दान न करते, तो दूसरे-तीसरे सबसे अमीर होते

न्यूयॉर्क। बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने दुनिया के अमीरों की सूची एक नए नजरिए से जारी की है। अरबपतियों की संपत्ति की दोबारा कैलकुलेशन करते हुए, उसमें उनके द्वारा किए गए दान को भी जोड़ा गया है। इसमें जानने की कोशिश की गई है कि दुनिया के सबसे उदार अरबपतियों ने कभी दान न किया होता, तो आज उनकी संपत्ति और रैंकिंग कैसी होती? इसका जवाब पाने के लिए फोर्ब्स ने 'ट्रू नेट वर्थ' रैंकिंग तैयार की। इसमें माना गया कि अरबपतियों ने जो शेयर दान किए, वे उनके पास ही रहते और नकद दान भी बाजार की दरों के हिसाब से निवेश होता। इलॉन मस्क फोर्ब्स की दोनों लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी संपत्ति का बेहद छोटा हिस्सा, करीब 0.06% ही वास्तविक दान किया है। बिल गेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट के करीब 73.1 करोड़ शेयर दान किए हैं। अगर उन्होंने ये शेयर अपने पास रखे होते, तो उनकी संपत्ति करीब 4 गुना ज्यादा होती और वे 19वें के बजाय दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति होते। इसी तरह, वॉरेन बफे भी 9वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच जाते।

# सीनियर सिटीजन के लिए अब एफडी हुई और भी फायदेमंद

## स्मॉल फाइनेंस बैंक दे रहे सबसे ज्यादा रिटर्न, निवेश करने से पहले जानें इससे जुड़ी खास बातें

**नई दिल्ली, एजेंसी**

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित निवेश चाहने वाले सीनियर सिटीजन के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) एक बार फिर सबसे पसंदीदा विकल्प बनकर उभरा है। साल 2026 में रिटायरमेंट के बाद अपनी पूंजी की सुरक्षा और रेगुलर इनकम को प्राथमिकता देने वाले बुजुर्गों के लिए एफडी पर शानदार रिटर्न मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को आमतौर पर आम ग्राहकों के मुकाबले 0.50% (50 बेसिस पॉइंट्स) ज्यादा ब्याज मिलता है। ब्याज की ये दरें आरबीआई की पॉलिसी, निवेश की अवधि और बैंकों की नकदी स्थिति पर निर्भर करती हैं। सरकारी बैंकों में सीनियर सिटीजन के लिए एफडी दरें फिलहाल 7% के आसपास बनी हुई हैं। पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक और केनरा बैंक 444 और 555 दिनों जैसी चुनिंदा अवधि के लिए 7.10% तक ब्याज दे रहे हैं। वहीं, एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा 5 से 10 साल की लंबी अवधि पर 7.00% से 7.05% तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं। प्राइवेट बैंकों में रिटर्न थोड़ा बेहतर है। इंडसइंड बैंक 18 महीने की अवधि के लिए 7.50% के साथ सबसे आगे है। कोटक महिंद्रा बैंक 7.30% और एक्सिस बैंक लंबी अवधि के लिए 7.20% ब्याज दे रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में यह दरें 7.00% से 7.10% के बीच हैं। रिटर्न के मामले में स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFBs) सबसे आगे हैं, जहां 8.5% तक ब्याज मिल रहा है। ईएसएएफ (ESAF) स्मॉल फाइनेंस बैंक 501 दिनों की एफडी पर 8.50% ब्याज दे रहा है। इसके अलावा सूर्योदय, शिवालिक, इक्विटास और जना स्मॉल फाइनेंस बैंक भी अलग-अलग अवधि के लिए 8.00% से 8.30% तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं। हालांकि, बड़े कमर्शियल बैंकों के मुकाबले इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा माना जाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सारा पैसा एक साथ एक ही एफडी में लगाने के बजाय उसे छोटी, मध्यम और लंबी अवधि में बांटकर निवेश करना चाहिए। बेहतर मुनाफे के लिए एफडी के साथ सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS) या पीपीएफ (PPF) को भी शामिल किया जा सकता है।

### ट्रांसफॉर्मर बदलने से लेकर एचटी (एचटी) फॉल्ट तक का होगा त्वरित समाधान

# ए.के. शर्मा ने वाराणसी में 24×7 विद्युत वैन का किया उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी/लखनऊ। वाराणसी जिले के उपभोक्ताओं को अब बिजली से जुड़ी समस्याओं में लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। निर्बाध, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शहर में दो अत्याधुनिक 24×7 इमरजेंसी वैन का शुभारंभ किया। इस नई व्यवस्था से बिजली फॉल्ट ठीक करने में लगने वाला समय काफी कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। इन विशेष वैन को आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और जरूरी तकनीकी संसाधनों से पूरी तरह लैस किया गया है, जिससे किसी भी तरह की तकनीकी समस्या का मौके पर ही समाधान किया जा सके। विभाग के

अनुसार, यह पहल बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। नई इमरजेंसी वैन के जरिए कई महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनमें हाई टेंशन लाइनों का रखरखाव, ब्रेकडाउन सुधार और जरूरत पड़ने पर ट्रांसफॉर्मर बदलना शामिल है। इसके साथ ही भूमिगत और एबी केबल में आने वाले फॉल्ट का अत्याधुनिक तकनीक से पता लगाकर उन्हें तुरंत ठीक किया जाएगा। प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए बिजली के खंभों को सीधा करना या बदलना भी टीम की जिम्मेदारी होगी।

## तीन शिफ्ट में तैनात रहेंगी टीमें

शहर में चौबीसों घंटे सेवा देने के लिए इन वैन पर तैनात कर्मचारियों की टीम 8-8 घंटे की तीन शिफ्टों में काम करेगी। प्रत्येक शिफ्ट में एक सुपरवाइजर, लाइनमैन और हेल्पर सहित प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम मौजूद रहेगी, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करेगी।

**"इस मौके पर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को बेहतर और भरोसेमंद बिजली सेवाएं देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में शुरू की गई यह 24×7 इमरजेंसी वैन सेवा और नियमित लाइन सर्वे जैसी सक्रिय कार्यप्रणाली से न केवल बिजली लाइनों की उम्र बढ़ेगी, बल्कि लोगों को अनावश्यक बिजली कटौती से भी राहत मिलेगी।**

## नियमित सर्वे से पहले ही पकड़े जाएंगे फॉल्ट

इस योजना के तहत केवल खराबी आने पर ही नहीं, बल्कि नियमित सर्वेक्षण भी किया जाएगा। इससे संभावित फॉल्ट का पहले ही पता लगाकर उसे समय रहते ठीक किया जा सकेगा, जिससे बड़े ब्रेकडाउन की स्थिति से बचा जा सके। किसी भी इलाके में बिजली सप्लाई बाधित होने पर इमरजेंसी वैन की टीम तुरंत मौके पर पहुंचेगी और कम से कम समय में समस्या का समाधान कर आपूर्ति बहाल करेगी। इससे उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा।

## होमगार्ड भर्ती परीक्षा संपन्न, 9,970 अभ्यर्थी हुए शामिल

लखीमपुर। लखीमपुर खीरी में उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती (एनरोलमेंट) 2026 की परीक्षा शनिवार को संपन्न हुई। जनपद के 16 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 13,056 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 9,970 शामिल हुए। 3,086 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं की थीं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी गई। अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई और मजिस्ट्रेटों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने परीक्षा के दौरान विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, गुरुनानक इंटर कॉलेज, जीजीआईसी, आर्य कन्या इंटर कॉलेज और आर्य कन्या डिग्री कॉलेज सहित कई केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

# जीएन शुक्ला लखनऊ बार के अध्यक्ष बने

### जीतू यादव महामंत्री और मनीष श्रीवास्तव कनिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ बार एसोसिएशन चुनाव के अध्यक्ष, महामंत्री और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद का परिणाम आ गया है। जीएन शुक्ला 'चच्चू' अध्यक्ष चुने गए हैं। महामंत्री पद पर जितेंद्र सिंह यादव उर्फ 'जीतू' ने जीत हासिल की है। मनीष श्रीवास्तव कनिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए हैं। अन्य पदों के लिए मतगणना जारी है। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में जीएन शुक्ला ने 1255 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुरेश पांडेय को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाबला अपने नाम किया। शुरुआती रुझानों से ही उनकी बढ़त बनी हुई थी, जो अंत तक कायम रही और जीत में तब्दील हो गई। महामंत्री पद पर जितेंद्र सिंह यादव 'जीतू' ने 1094 वोट पाकर विजयी रहे। मतगणना के शुरुआती चरण से ही उन्होंने बढ़त बना ली थी, जो लगातार बढ़ती गई। मतगणना के पहले

चरण में ही अध्यक्ष और महामंत्री पद पर स्पष्ट संकेत मिल गए थे कि मुकाबला किन उम्मीदवारों के बीच सिमटेगा। जीएन शुक्ला और जीतू यादव ने शुरुआत से ही बढ़त बनाकर अंत तक उसे बरकरार रखा। बार एसोसिएशन चुनाव में इस बार कुल 3672 मतदाताओं में से 2722 वकीलों ने मतदान किया था। मतदान कैसरबाग स्थित बार परिसर में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ था। इस बार चुनाव की खास बात यह रही कि पहली बार महिला आरक्षण लागू किया गया। कोषाध्यक्ष समेत कुल सात पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए।

## फास्ट न्यूज

### ट्रेन छूटने से सैकड़ों छात्रों का एग्जाम छूटा

लखनऊ। लखनऊ में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। आज से यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू हो गई है। इसी बीच ट्रेन लेट होने के कारण सैकड़ों अभ्यर्थियों की परीक्षा छूट गई। बेगमपुरा एक्सप्रेस ट्रेन तकनीकी खराबी के चलते देर से चली, जिससे कई अभ्यर्थी समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके। तेज धूप के बीच कई अभ्यर्थी सिर पर गमछा रखकर परीक्षा देने पहुंचे।

### ब्रेक फेल होने से डिवाइडर पर चढ़ी रोडवेज बस

लखनऊ। लखनऊ के पीजीआई इलाके में शुक्रवार शाम हैदरगढ़ डिपो की एक रोडवेज बस का ब्रेक फेल गया। ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। आलमबाग बस डिपो से मोरावा जा रही बस कालिंदी पार्क मोड़ के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने बताया बस UP 33 T 8641 को चालक प्रेम प्रकाश चला रहे थे। साथ में परिचालक रामकुमार ड्यूटी पर थे। शाम करीब 6 बजे अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया। जिससे चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया। हालांकि चालक ने बिना घबराए सूझबूझ दिखाते हुए बस डिवाइडर पर चढ़ा दी। जिससे डिवाइडर तोड़ते हुए बस रुक गई। बस में कुल सात यात्री सवार थे। हादसे के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

### कानपुर के मार्केट में आग लगी, दुकानदार जिंदा जला

कानपुर। कानपुर में शनिवार सुबह साढ़े तीन बजे दीना मार्केट की तीन दुकानों में आग लग गई। दुकानदार की जिंदा जलकर मौत हो गई। पत्नी, बेटी, भाभी, भतीजी और भतीजा झुलस गए। दमकल कर्मियों ने सीढ़ी लगाकर झुलसे लोगों को बाहर निकाला। शुरुआती जांच में पता चला है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से दुकानों में आग लगी। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। तीनों दुकानें धू-धू कर जलने लगीं।

# प्रेमी ने गला दबाकर महिला की हत्या की

### बेटी के साथ सामने मारा, दवाई लाने के बहाने भाग गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में प्रेमी ने महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को घर पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना शुक्रवार रात ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के लाला बाग, रिंग रोड के पास हुई। मृतक की पहचान नीलम सक्सेना (42) के रूप में हुई। वह अपने प्रेमी और 8 साल की बेटी के साथ एक खाली प्लॉट में झोपड़ी बनाकर रहती थी। शनिवार सुबह उसी प्लॉट में उसका शव मिला है। मृतका के भाई नरेश ने बताया कि नीलम की शादी गौर अतरौली, हरदोई निवासी संजय सक्सेना से 15 साल पहले हुई थी। दोनों की 4 बेटियां शिवानी, प्रांशी, मधु और निधि हैं। दोनों पूर्व में बालागंज में किराए पर रहते थे। 4 महीने पहले नीलम

नीलम सक्सेना, मृतका

पति संजय सक्सेना से अलग हो गई। सबसे छोटी बेटी निधि को लेकर कौड़िया, अतरौली, हरदोई के संजय गौतम के साथ रहने लगी। दोनों ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में लाला बाग, रिंग रोड में नोबेल हॉस्पिटल के खाली प्लॉट में रहते थे। मृतका की बेटी निधि ने बताया- शुक्रवार रात में मां खाना खाकर सो रही थी। रात में संजय गौतम ने मां का गला दबा दिया। मां बेहोश हो गई। संजय गौतम ने कहा कि दवाई लेकर आ रहा हूं।

### योगी सरकार की रणनीति और यूपीडा की सख्त मॉनिटरिंग से चार हिस्सों में पूरा हुआ देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट

# गंगा एक्सप्रेसवे : 594 किमी का मेगा कॉरिडोर लोकार्पण को तैयार

- चार पैकेज में बांटकर तेज हुआ निर्माण, समानांतर काम से समय-सीमा अनुपालन में मिली सफलता
- पूर्वी-पश्चिमी यूपी को जोड़ेगा एक्सप्रेसवे, लॉजिस्टिक्स और उद्योग को मिलेगा जबरदस्त प्रोत्साहन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई से देशवासियों को समर्पित करेंगे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाली गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे देश को समर्पित करने जा रहे हैं। बल्कि इसे योगी सरकार की रणनीतिक योजना और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के प्रभावी क्रियान्वयन का एक सफल उदाहरण भी माना जा रहा है। लगभग 37 हजार करोड़ की लागत वाले इस मेगा प्रोजेक्ट को चार प्रमुख पैकेज (ग्रुप) में विभाजित कर तेजी से आगे बढ़ाया गया। यही 'मल्टी-पैकेज' मॉडल इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ, जिसने इतने बड़े प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाई।

**"यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी हिस्सों से जोड़ते हुए यात्रा समय को काफी कम करेगा। साथ ही, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश के नए अवसर उपलब्ध होंगे। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।**

## चार पैकेज में विभाजन से मिली रफ्तार

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को चार प्रमुख पैकेज में विभाजित कर अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से क्रियान्वित किया गया। इस मॉडल के तहत प्रमुख डेवलपर्स और ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स को समानांतर रूप से काम करने का अवसर मिला, जिससे निर्माण कार्य में उल्लेखनीय तेजी आई। पहले पैकेज की लंबाई 129.70 किमी रखी गई, जिसकी कुल लागत 9 हजार करोड़ से अधिक है। दूसरे पैकेज की लंबाई 151.70 किमी और कुल लागत लगभग 9 हजार करोड़ है। तीसरे पैकेज की लंबाई 155.70 किमी तथा कुल लागत लगभग 9 हजार करोड़ निर्धारित है। चौथे और सबसे लंबे पैकेज की लंबाई 156.847 किमी है, जिसकी कुल लागत लगभग 9.5 हजार करोड़ है।

## रणनीतिक प्लानिंग से तेजी से बढ़ा काम

योगी सरकार ने महत्वपूर्ण रणनीति के साथ इस परियोजना को आगे बढ़ाया। इतने बड़े प्रोजेक्ट को एकल एजेंसी के बजाय कई हिस्सों में विभाजित कर दिया गया, जिससे एक साथ कई मोर्चों पर कार्य शुरू हो सका। चार पैकेज में विभाजन के बाद परियोजना न केवल गति से बढ़ी, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई। इस पूरी परियोजना की निगरानी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा की जा रही है, जिसने डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण तीनों स्तरों पर सख्त मॉनिटरिंग सुनिश्चित की। नियमित समीक्षा, तकनीकी समन्वय और ग्राउंड लेवल पर मॉनिटरिंग के कारण प्रत्येक पैकेज में कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुरूप आगे बढ़ता रहा।

# नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों के लिए दृढ़ संकल्पित सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बरेली में आयोजित नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान कार्यक्रम में मातृशक्ति को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को 33% आरक्षण दिलाने के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 पारित कर देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसमें बाधा डालने का प्रयास किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि "नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" के संकल्प के साथ यह संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का उल्लेख करते हुए श्री मौर्य ने

कहा कि पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण के कारण ही आज महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिकाओं में आ सकी हैं। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है तो वे हर क्षेत्र में असंभव को संभव कर दिखाती हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दलों ने महिलाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर सकारात्मक सहयोग नहीं किया। डबल इन्जन श्री मौर्य ने महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि जनधन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन दिए गए, आवास योजनाओं में बड़ी संख्या में मकान महिलाओं के नाम पर दिए गए तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि "लखपति दीदी" जैसी पहलें महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश और प्रदेश को सशक्त बनाना है तो महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संदेश प्रत्येक बूथ, प्रत्येक घर और प्रत्येक महिला तक पहुंचाया जाए, ताकि समाज में व्यापक जागरूकता उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, महिलायें एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

### दो ड्राइवर, पालतू कुत्ते की भी जान गई, मऊ में ट्रेलर से टकराई स्कॉर्पियो

# बेटी की शादी कराके लौट रहे मां-बाप-भाई की मौत

- टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो सवार सभी 5 की मौके पर मौत हो गई। गाड़ी के टुकड़े हाईवे पर दूर तक बिखर गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ। यूपी के मऊ में शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसे में मां-बाप-भाई समेत 5 लोगों की मौत हो गई। परिवार रांची में बेटी की शादी कराके स्कॉर्पियो से गोरखपुर लौट रहा था। तड़के 3 बजे हाईवे पर अचानक स्कॉर्पियो बेकाबू हो गई। डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में चली गई। सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे के बाद बुरी तरह पिचकी स्कार्पियो में परिवार फंस गया।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने जैसे-तैसे सभी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चु परिवार करीब 400 किमी की दूरी तय करके कुसुम्हा बशारतपुर के पास तक पहुंच चुका था। गाड़ी ड्राइवर पुरुषोत्तम चला रहा था। बगल की सीट पर विनय श्रीवास्तव बैठे थे। बीच की सीट पर मां, बेटा और पालतू कुत्ता था। जबकि पीछे की सीट पर ड्राइवर नीतीश आराम कर रहा था।

**पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त गाड़ी की स्पीड 90 से 100 किमी के बीच थी। ड्राइवर पुरुषोत्तम को झपकी आई और स्कार्पियो डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे लेन में पहुंच गई।**

यह विनय श्रीवास्तव की बेटी मिमांसा की शादी का कार्ड है। शादी कराके परिवार लौट रहा था, तभी हादसा हुआ।

### गैस कटर से गाड़ी काटकर निकाले शव

हाईवे पर हुई टक्कर इतनी भीषण थी कि कई किलोमीटर तक उसकी आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर आसपास के गांव वाले मौके पर पहुंचे। हादसे की सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी संजय कुमार त्रिपाठी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक स्कॉर्पियो में सवार सभी पांच की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन शव इस कदर फंसे हुए थे कि बाहर नहीं निकाल पाए। फिर गैस कटर और ट्रैक्टर मंगाया गया। गैस कटर से गाड़ी को काटा गया। ट्रैक्टर से ट्रेलर से चिपक गई स्कॉर्पियो को खींचकर अलग किया।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### खेल...

और अब फिनिशिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल दीप अहलावत ने बताया कि यहां सिर्फ खेल की ट्रेनिंग ही नहीं मिलेगी, बल्कि खेल शिक्षा में स्नातक (ग्रेजुएशन) से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई भी होगी। फिलहाल यहां बीपीईएस कोर्स चल रहा है, लेकिन आने वाले सत्र से बीपीएड, एमपीएड और बीएससी योगा जैसे नए विषय शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (NCTE) से मंजूरी मांगी गई है। मई में होने वाली बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के बाद करीब 300 नए छात्रों को प्रवेश देने का लक्ष्य रखा गया है। यह यूनिवर्सिटी अत्याधुनिक सुविधाओं का बड़ा केंद्र बनेगी। यहां हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स के लिए सिंथेटिक ट्रैक के साथ-साथ स्विमिंग पूल, जिम और स्पोर्ट्स साइंस लैब भी होगी। इस साल से यहाँ एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती और कबड्डी समेत कई खेलों की शुरुआत हो जाएगी, जबकि अगले साल से शूटिंग, तीरंदाजी और घुड़सवारी जैसे खेल भी शामिल किए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि हमारा मिशन यूपी को खेलों का सबसे शक्तिशाली केंद्र बनाना है, जहां से भविष्य के ओलंपिक चैंपियन निकल सकें।

### आप छोड़ते ही ...

स्वाति मालीवाल ने AAP और अरविंद केजरीवाल पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया, हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन बाद में उनके साथ पार्टी में दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर में उनके साथ मारपीट कराई गई और FIR वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया। मालीवाल ने कहा कि उन्हें दो साल तक संसद में बोलने का मौका नहीं दिया गया जो बेहद शर्मनाक है। उन्होंने केजरीवाल को महिला विरोधी, भ्रष्ट और गुंडागर्दी करने वाला नेता बताया। साथ ही पंजाब सरकार पर भी आरोप लगाया कि वहां अवैध खनन और ड्रग्स का कारोबार चरम पर है और सरकार रिमोट कंट्रोल से चलाई जा रही है। मालीवाल ने यह भी कहा कि उन्होंने BJP किसी दबाव में नहीं, बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास के चलते भाजपा जॉइन की है। राघव ने कहा कि पिछले कुछ सालों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं AAP से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। राजनीति में आने से पहले, मैं एक प्रैक्टिसिंग चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) था। इस मंच पर मेरे साथ अलग-अलग क्षेत्रों के लोग थे।

### ममता बीजेपी का ...

TMC नेता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी को पहले फेज की 152 सीटों में से 125 से 135 सीटें मिलेंगी। ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रोड शो किया। इधर, चुनाव आयोग ने लापरवाही बरतने और निष्पक्षता नहीं रखने पर पांच अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड अधिकारियों में एएसपी और एसडीपीओ भी शामिल हैं। राहुल गांधी ने कोलकाता में जनसभा के दौरान कहा कि- देश में विचारधारा की लड़ाई हो रही है। एक तरफ कांग्रेस देश को जोड़ रही है। वहीं, भाजपा-RSS देश को बांट रहे हैं। मेरे ऊपर 36 केस हैं क्योंकि मैं इनसे लड़ता रहता हूं। उन्होंने आगे कहा- ED ने मेरे से 55 घंटे पूछताछ की। मेरा घर ले लिया गया था। लेकिन ममता जी के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। उनका घर क्यों नहीं लिया गया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि जो ममता बंगाल में कर रही हैं, मोदी जी देश में कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सुमय हीरा के लिए रोड शो किया। उन्होंने कहा कि पूरे पश्चिम बंगाल में भाजपा पर जनता का भरोसा बढ़ गया है। पश्चिम बंगाल के हुगली में की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कल भाजपा मेरे चुनाव क्षेत्र में बसों में बाहरी लोगों को लेकर आई। मैंने उन्हें मिठाई खिलाई। पश्चिम बंगाल के हुगली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हम अमित शाह के हिंसक बयानों के लिए उनके खिलाफ कानूनी केस करने जा रहे हैं। गृह मंत्री होने के नाते, वह ऐसी टिप्पणी नहीं कर सकते। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीरामपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा किबंगाल में चुनाव आ रहा है और देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है।

### भाजपा ने ...

जब दिल्ली कोविड की लहर से जूझ रही थी, तब अरविंद ने दिल्ली में शीश महल बनवाया। 'दिल्ली के लोग कोविड की दवाइयों की मांग कर रहे थे और मर रहे थे। उस समय भी केजरीवाल के आदेश पर शीश महल का काम एक दिन के लिए भी नहीं रुका। जब 'धुरंधर' दिल्ली के वोटरों ने दिल्ली के 'रहमान डकैत' को हरा दिया, तो वह पंजाब चले गए।' 'भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ा दीं। भगवंत मान के घर के आसपास के चार बड़े सरकारी मकानों में से एक में केजरीवाल, दूसरे में पूर्व दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, तीसरे में राज्यसभा सांसद संजय सिंह और एक अन्य में मनीष सिसोदिया रह रहे थे। उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब में भगवंत मान परेशान हैं। वहां भी उन्होंने एक और शीश महल बनवाया।

# जिस सलीम को गला रेतकर मारने की कोशिश, वो हत्यारा

### उम्रकैद हुई, लेकिन 26 साल से फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के जिस एक्स मुस्लिम यूट्यूबर सलीम वास्तिक का गला रेता गया था, उसके बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। वह दिल्ली के कारोबारी के 13 साल के बेटे का हत्यारा निकला। दिल्ली पुलिस ने उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। वह 26 साल से फरार था। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने बताया कि दिल्ली पुलिस की टीम शनिवार सुबह सलीम वास्तिक उर्फ सलीम खान के घर पहुंची। पूछताछ के बाद उसे अपने साथ ले गई। दिल्ली पुलिस के अफसरों के मुताबिक, 20 जनवरी 1995 को सलीम ने कारोबारी के 13 साल के बेटे संदीप बंसल का अपहरण किया था। परिवार से रंगदारी न मिलने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। अफसरों के मुताबिक, वारदात के बाद पुलिस ने सलीम को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। साल 1997

सलीम वास्तिक एक्स मुस्लिम | 27 फरवरी को सलीम पर हमला हुआ था

में सलीम को उम्रकैद की सजा हुई। हालांकि, साल 2000 में वह पैरोल पर बाहर आया था। उसके बाद वह फरार हो गया। बीते 26 सालों से वह शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ और गाजियाबाद में नाम बदलकर रह रहा था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सलीम खान उर्फ सलीम वास्तिक दिल्ली के एक स्कूल में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देता था। इसी स्कूल में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कारोबारी का 13 साल का बेटा संदीप भी पढ़ता था। सलीम ने अपने साथी अनिल के साथ स्कूल जाते समय संदीप का अपहरण किया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676